Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Prof. Sushma Yadav Participated in the two-day conference in Assam

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 23-06-2023**

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रही हैं योगदान

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्त्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है। सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रेडिट, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा के गौरव में विश्वास रखते हुए विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था का विकास करना है और इस दिशा में विभिन्न स्तर पर निरंतर प्रयास जारी है। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं और जिस प्रकार से देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु विमर्श का दौर सक्रिय है, उससे अवश्य ही इसके निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में न केवल अपने लिए बल्कि माननीय कुलपति के निर्देशन में संपूर्ण उत्तर भारत व अन्य सहभागियों के लिए हरसंभव सहयोग व नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 23-06-2023**

शिक्षा नीति क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा दे रही हैं योगदान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभाग किया।

दो दिवसीय सम्मेलन में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ प्रो. सुषमा यादव ● सौ. संस्था

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है। सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की।

प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डा. हेमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक आफ क्रेडिट, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में न केवल अपने लिए बल्कि कुलपति के निर्देशन में संपूर्ण उत्तर भारत व अन्य सहभागियों के लिए हरसंभव सहयोग व नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 23-06-2023**

महेंद्रगढ़। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ प्रो. सुषमा यादव। फोटो: हरिभूमि

■ दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में हुई सम्मिलित

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रही योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से की मुलाकात

सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रकिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रेडिट, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा के गौरव में विश्वास रखते हुए विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था का विकास करना है और इस दिशा में विभिन्न स्तर पर निरंतर प्रयास जारी है। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 23-06-2023**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर योजनागत प्रयास जारी

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रहीं अहम योगदान

•2 दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में हुईं सम्मिलित

महेंद्रगढ़, 22 जून (मोहन, परमजीत): राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित 2 दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है।

दो दिवसीय सम्मेलन में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ प्रो. सुषमा यादव। (मोहन)

प्रो. सुषमा यादव द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है।

सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रैडिट, च्वाइस बेस्ड क्रैडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया।

विचार-विमर्श से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग होगा प्रशस्त

उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा के गौरव में विश्वास रखते हुए विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था का विकास करना है और इस दिशा में विभिन्न स्तर पर निरंतर प्रयास जारी है।

प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं और जिस प्रकार से देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु विमर्श का दौर सक्रिय है, उससे अवश्य ही इसके निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रो. यादव ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में न केवल अपने लिए बल्कि माननीय कुलपति के निर्देशन में संपूर्ण उत्तर भारत व अन्य सहभागियों के लिए हरसंभव सहयोग व नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Ujala Aaj Tak **Date: 23-06-2023**

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रही हैं योगदान

महेंद्रगढ़ मनोज गोयल गुडियानिया, उजाला आज तक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्त्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है।

सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रेडिट, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा के गौरव में विश्वास रखते हुए विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था का विकास करना है और इस दिशा में विभिन्न स्तर पर निरंतर प्रयास जारी है। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं और जिस प्रकार से देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु विमर्श का दौर सक्रिय है, उससे अवश्य ही इसके निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रो. यादव ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में न केवल अपने लिए बल्कि माननीय कुलपति के निर्देशन में संपूर्ण उत्तर भारत व अन्य सहभागियों के लिए हरसंभव सहयोग व नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 23-06-2023**

कार्यक्रम

दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में लिया भाग, भारतीय ज्ञान परंपरा और भाषाओं के प्रचार पर रखे विचार

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रहीं योगदान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है।

असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ प्रो. सुषमा यादव। विज्ञप्ति

सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की।

प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रेडिट, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया।

प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व के बारे में बताया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कॅरिअर प्रोस्पेक्ट्स ऑफ डाटा साइंस विषय पर आधारित व्याख्यान में मिको कंपनी, मुंबई के सीनियर डाटा साइंटिस्ट अनमोल वार्ष्णेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में जानकारी दी गई।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि डाटा साइंस में रोजगार के अवसर दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि युवाओं का रुझान इस क्षेत्र में बढ़ रहा है। डॉ. तरुण कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को क्षेत्र की नवीनतम जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अनमोल वार्ष्णेय ने प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में बताया। कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित पटना यूनिवर्सिटी, राजस्थान यूनिवर्सिटी व कडुना स्टेट यूनिवर्सिटी नाइजीरिया, एमिटी यूनिवर्सिटी, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, रैफल्स विश्वविद्यालय व फिलीपींस के पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। संवाद